

# आदम और इवा द्वारा पाप किये





आदम औज़ि हब्वाइ पाप कियौ

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language  
Orange Level Book

प्रकाशन:-

NLCI

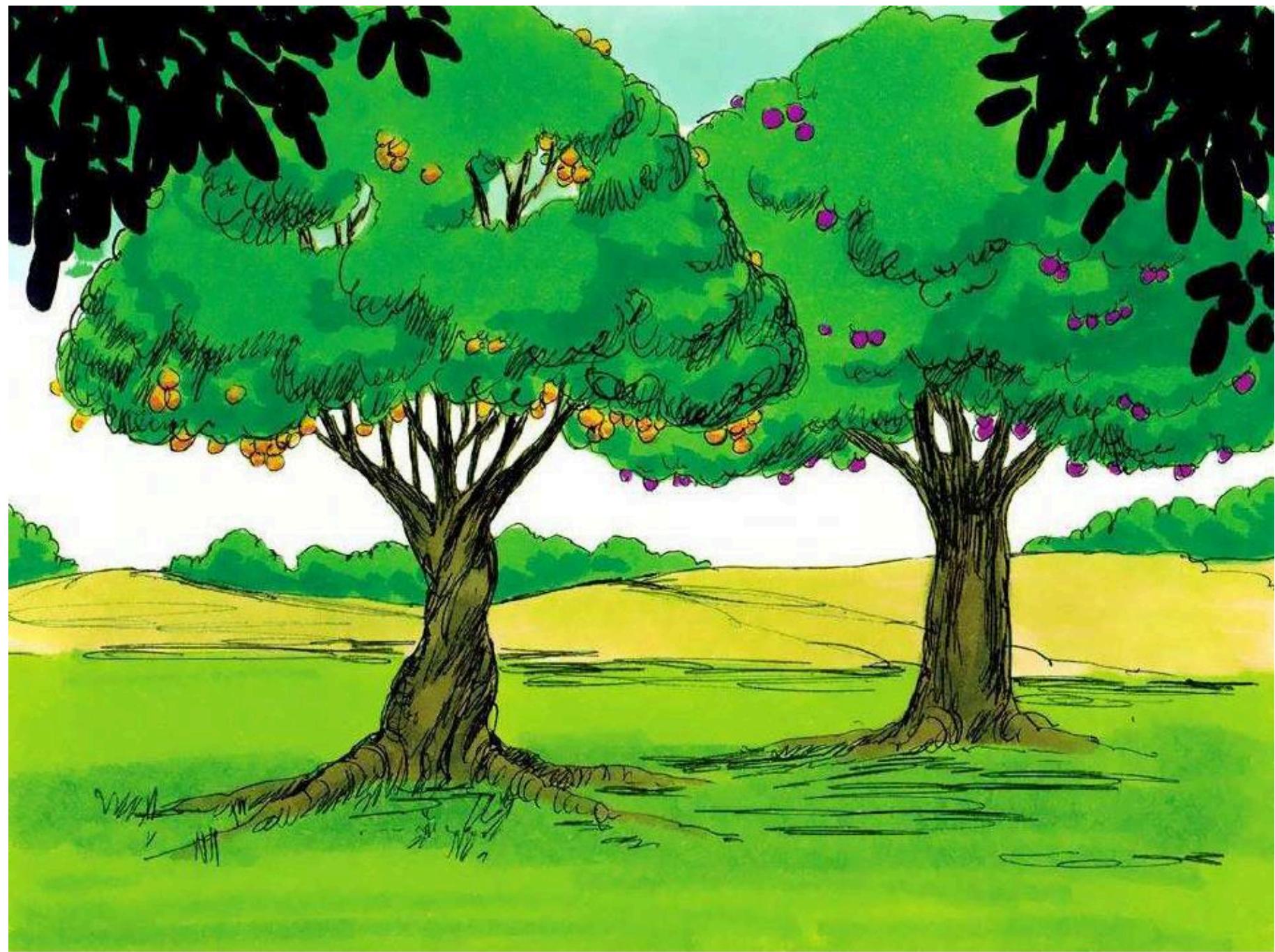
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें आदम और हृष्वा ने कैसे पाप किया, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



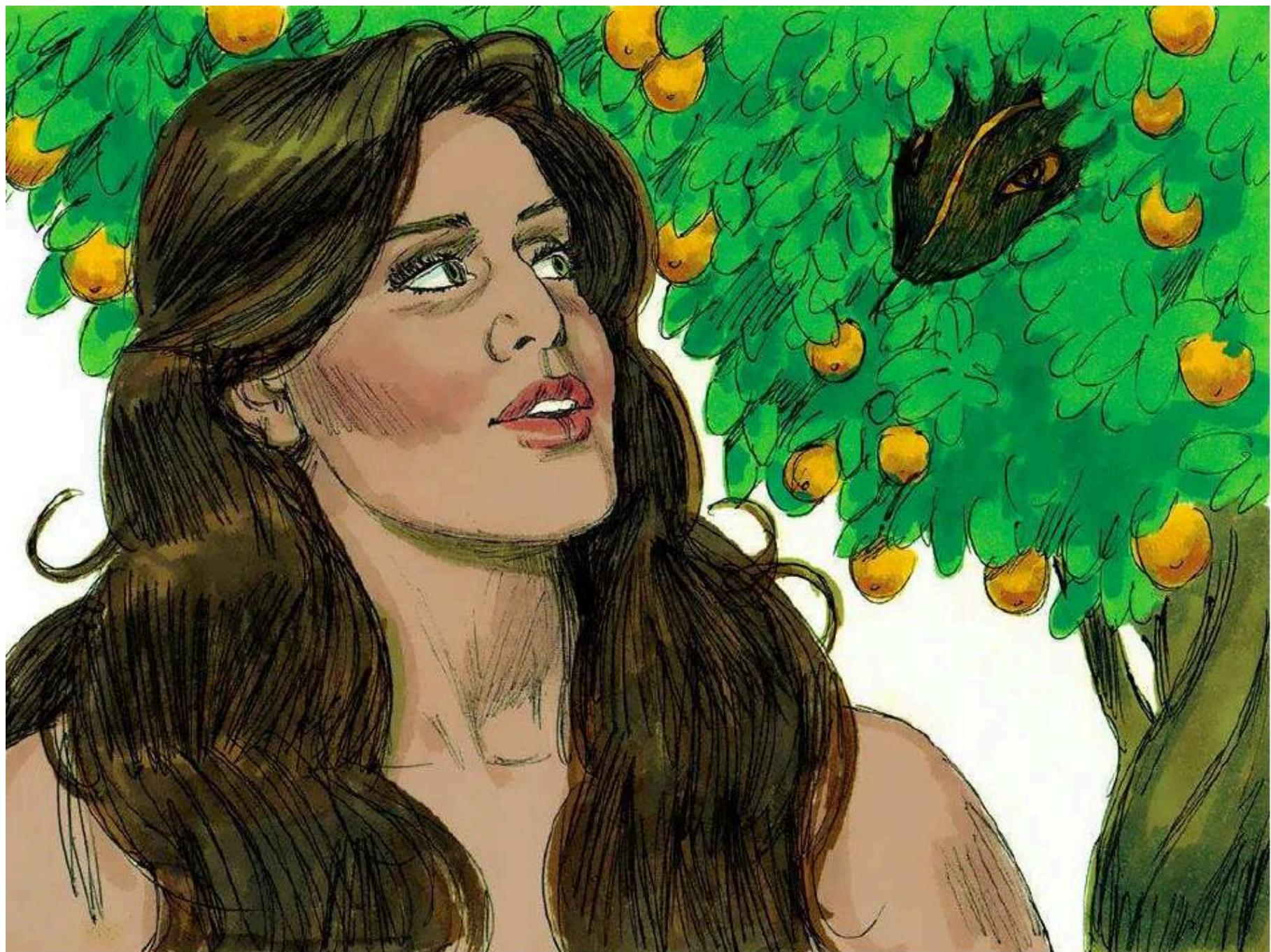
सारिउँ कौइ औगौणिकै परमेश्वरेइ पुरी दुनिया  
चाणी। औज़ि छाँटुवौ दुसै परमेश्वरेइ आदम  
चाणौ परमेश्वरेइ आदम केखि रौणोखि अदन रौ  
बौगिच्चौ चाणौ ज़िन्दै सेऊ काम कौरै लौ औज़ि  
बौगिच्चे रि च्चोकिदारि कौरै लौ।



परमेश्वरेऽ सेउ बौगिन्हौ आदम औज़ि ह०वा  
केखि चाणौ ज़ेस्दी तिणी जीवन रौ औज़ि बौलै  
बुरै ज्ञान रौ पेड़ बि लाओ। तै परमेश्वरेऽ आदम  
औज़ि ह०वा कै आदेश देणौ, तु बौगिन्है रै सारै  
पेडु रै फ़ळ खाइ सौकै, पर बौलै बुरै ज्ञान रै  
पेड़ रै फौक्हेऽ कादि ना खा।



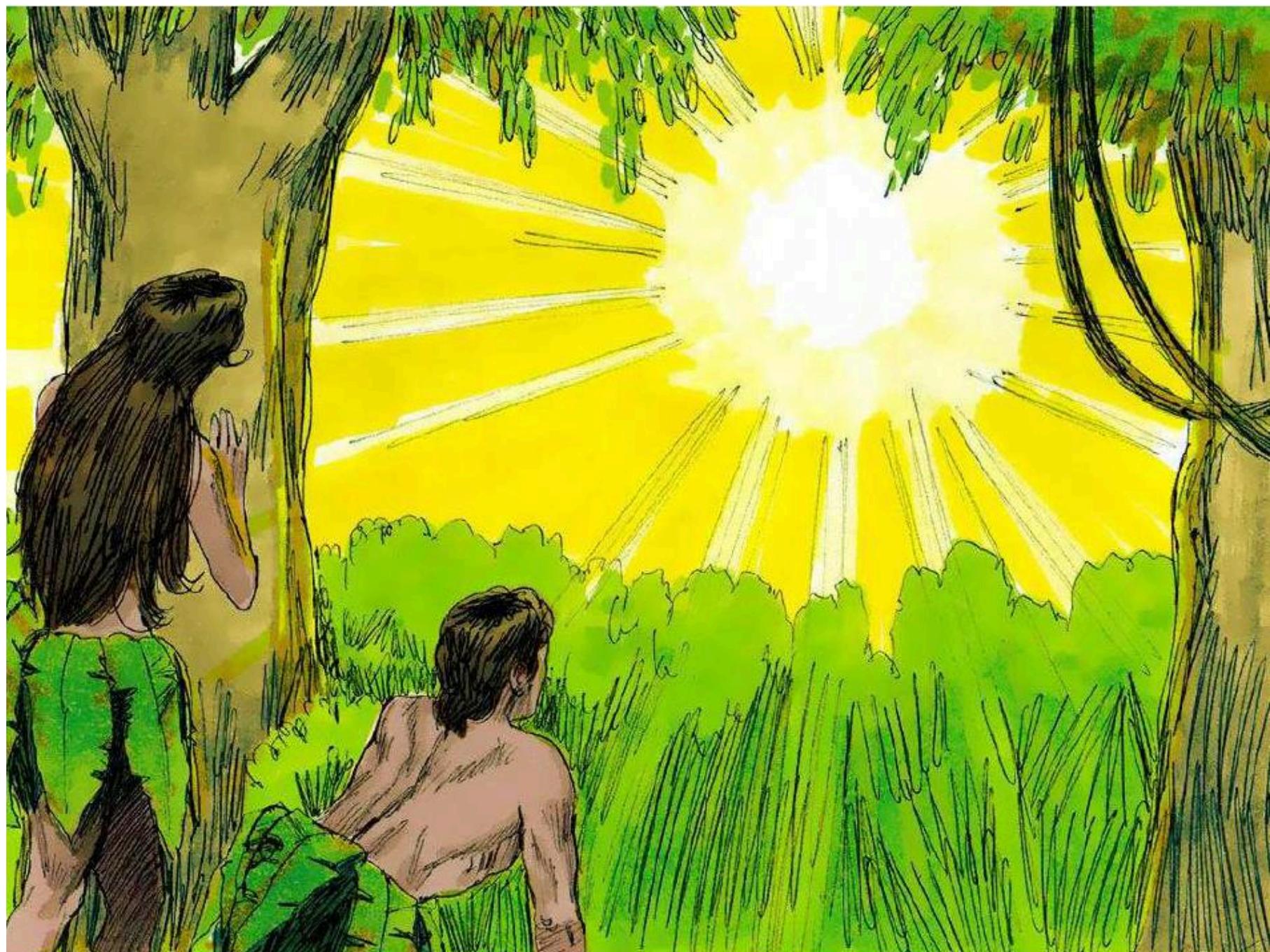
एक दूस सापेह ह०वा कौइ पुछौ, का तुमैं  
बौगिच्है रै सारै फळ खाइ सौकैण? ह०वाइ  
बोलौ, आमैं बौगिच्है रै सारै पेड़ रै फळ खाइ  
सौकी, पर जुण्जौ पेड़ बौगिच्है रै बिच्हे दि  
लाओन्दौ, तेसरै बारे दि परमेश्वरेह बोलौ, एस  
पेड़ रौ फळ ना तै तुमैं खाइयौ, ना एस छुइंयौ,  
नाइंतै तुमैं पोरु मौरै लै।



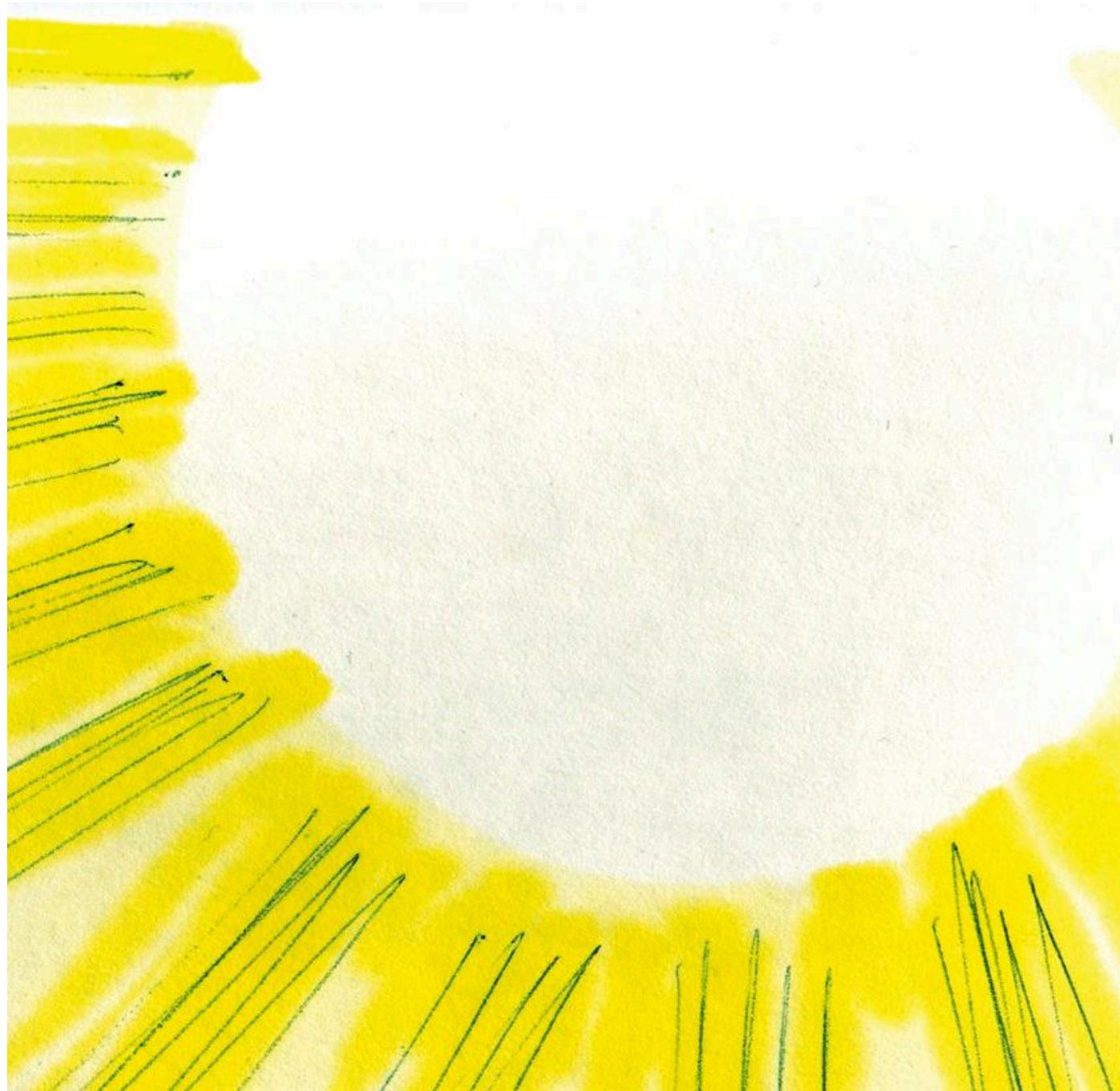
तैवै सापेह हृवा आरि बोलौ, एस खाइयौ तुमैं  
ना मौरे लै। केलाकि परमेश्वर ज्ञाणै कि जुण्डै  
दुसै तुमैं एस फौक्हेह खायै लै। सेजेह दुसे  
तुमारी आखै खुलै ली। ओज़ि बौलै बूरै रौ ज्ञान  
पाइयौ परमेश्वर रै बराबर बौणै लै।



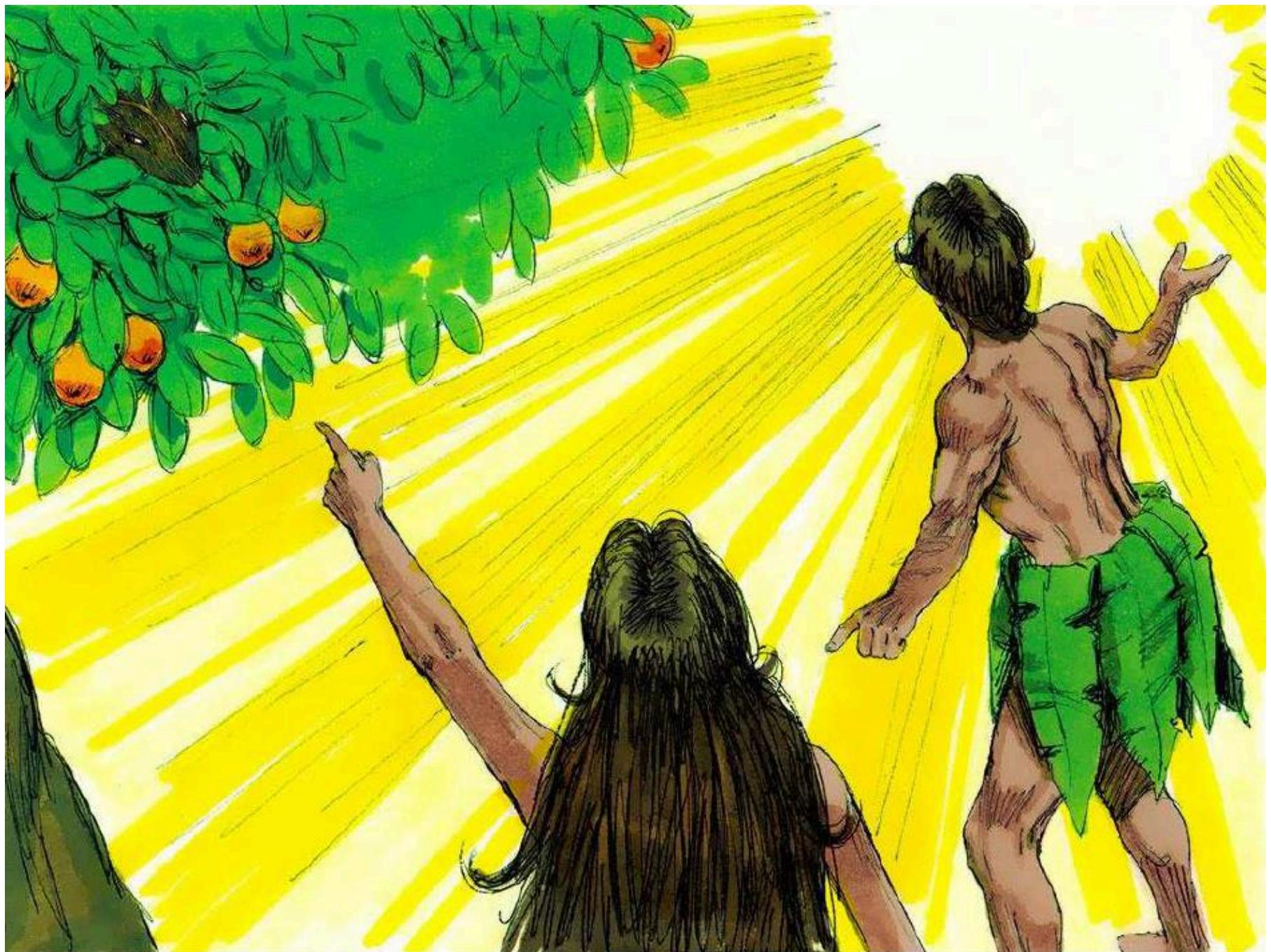
तैबै हृवाइ देखौ, कि तेस पेड़ रौ फळ खाणे  
खि बौड़िया औज़ि देखणे खि बि सुन्दर। तैबै  
हृवाइ तेस पेड़ रौ फळ चोड़ियौ खाओ।  
औज़ि आदम के बि देणौ, तै तिणी बि खाओ।  
तैबै तिउँ दुइंयाउँ रै आखै खुलै, तै तिउँके पौतौ  
लागौ कि सै नांगिया।



ज्ञौ तिउँकै पौतौ लागौ कि सै नांगिया । तै तिउँ  
अंजीर रै पाचू रै जुड़कै चाणियौ बिड़ । तैबै  
परमेश्वर रै आण्डणे रि आवाज़ शुणियौं सै  
दुइंया पेड़े पालै चोरुवै । तैबै परमेश्वर आदम  
खि औटाउवौ, ए आदमा, केटकै तु?



आदमेह बोलौ, आउँ तेरी आवाज़ शुणियौं डौरि  
मौरौ, केलाकि आउँ नांगिया। परमेश्वरेह आदम  
आरि बोलौ, ताउँवारि कुणि बोलौ, कि तु  
नांगिया। का ताइँ तेस पेड़ रौ फळ खाइ गोअ?  
जुणजै पेड़ रौ फळ खाणे खि मुइँ ताउँवारि ना  
की थी।



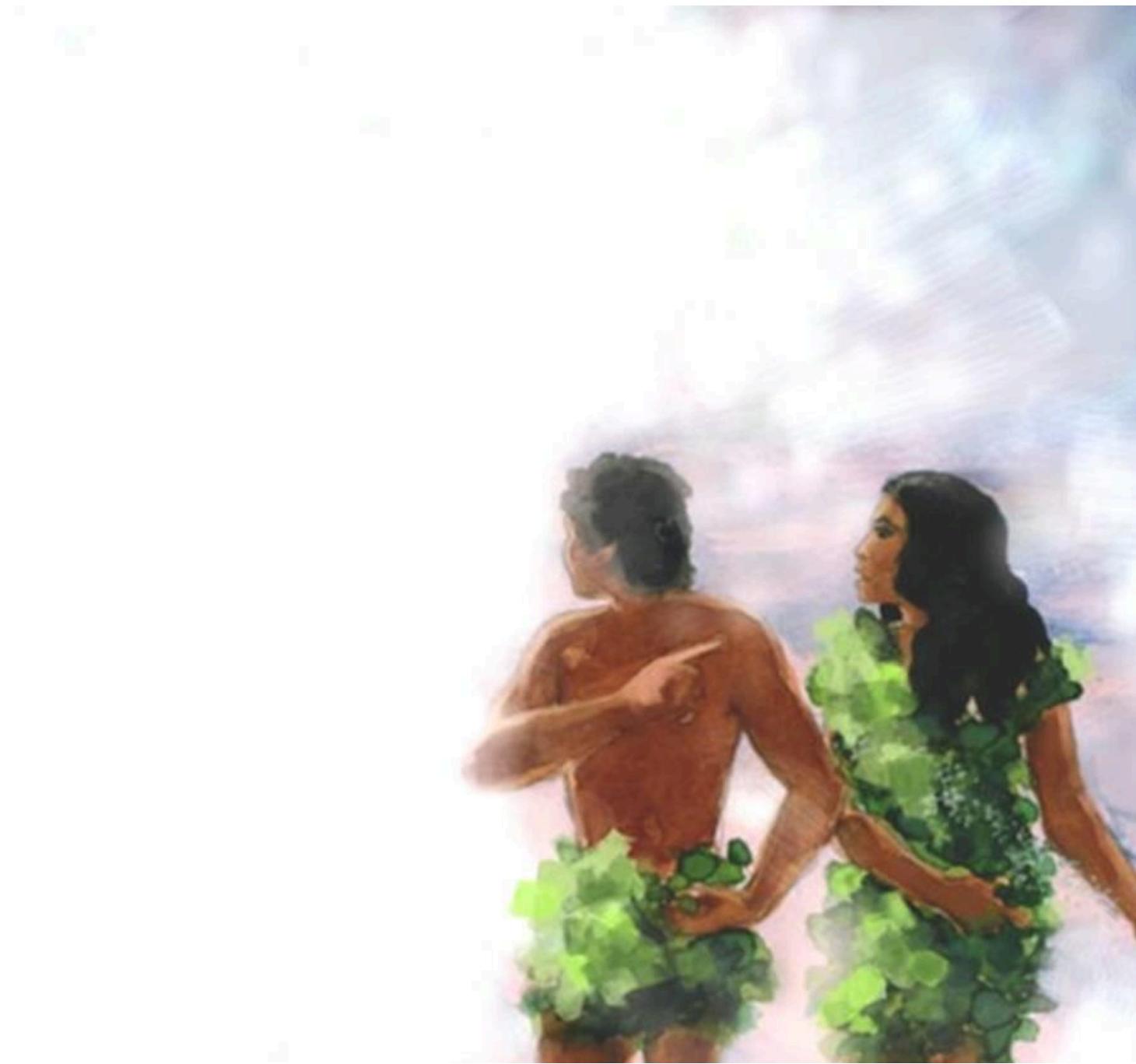
आदमेड़ परमेश्वर आरि बोलौ, जुण्जी छेऊङड़  
ताइं मेरै साथै रौणेखि चाणी, तियैं मुकौड़ तेस  
पेड़ रौ फळ खौआओ। तैबै परमेश्वरेड़ ह०वा  
आरि बोलौ, एऊ ताइं का कियौ? ह०वाइ  
परमेश्वर आरि बोलौ, कि सापेड़ ठौगाइ आउँ,  
तैबैड़ खाओ मुइं सेउ फळ।



तैबै परमेश्वरेझ सापै आरि बोलौ, एस काम  
कौरने रि बौज़े कौइ तु पुरी ज़िन्दगी बर पेटै  
कौइ गिसरियौ आन्डै लौ, औज़ि माटौ चाटै  
लौ। आउँ तरै औज़ि ई छेऊड़ि रै वंश दि  
दुश्मौनी पैदा कौरु, सै तेरी मुँटकी फिंचै लौ,  
औज़ि तु तिउँरै फिनोड़ेझ टुकै लौ।



तैबै परमेश्वरेइ हੱਵਾ ਆਰਿ ਬੋਲਾਈ, ਔਕਿਖਿਨਦੁ  
ਕੈਰੈ ਤਾਉਂ ਕੌਰੀ ਢਾ ਲਾਗੈ ਲੀ। ਤैਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਇ  
ਆਦਮ ਆਰਿ ਬੋਲਾਈ, ਕਿ ਤਾਵਿੰ ਆਪਡਿ ਛੇਤਡਿ ਰਿ  
ਕੁਝੈ ਮਾਨੀ। ਔਜ਼ਿ ਜੁਣਜ਼ੈ ਪੇਡੈ ਰੈ ਫਲ ਖਾਣੇਖਿ  
ਮੁਝਿ ਤਾਉਂਕੈ ਨਾ ਕੀ ਥੀ, ਤਾਵਿੰ ਤੇਸੀ ਪੇਡੈ ਰੈ ਫਲ  
ਖਾਓ। ਏਜ਼ੀ ਕੌਜ਼ੈ ਕੌਇ ਈਂ ਦੌਰਾਤਿ ਦਿ ਸ਼ਾਪ  
ਪੌਡੀ ਗੋਅ।



ਸੈ ਤਾਉਂ ਖਿ ਕਾਨਡੈ ਜੋਮਾਏਲੀ, ਆਂਜ਼ਿ ਤੁ ਡੋਖਰੇ  
ਦਿ ਕਾਮ ਕੌਰੈ ਲੈ। ਆਂਜ਼ਿ ਮੈਨਤ ਰਿ ਰੋਟੀ ਖਾ  
ਲੈ। ਆਂਜ਼ਿ ਆਖਰੀ ਦਿ ਮਾਟੈ ਮਾਈ ਮਿਲੈ ਲੈ। ਤੁ  
ਮਾਟੈ ਮਾਈ ਕੌਝ ਗਾੜੀ, ਤੁ ਮਾਟੈ, ਆਂਜ਼ਿ ਮਾਟੇਝ  
ਮਾਈ ਮਿਲੈ ਲੈ। ਤਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਝ ਆਦਮ ਆਂਜ਼ਿ  
ਹਵਾ ਕੇ ਚਾਮਡੈ ਰੈ ਜੁਝਕੈ ਬਿਝਾਯੈ।



तैबै परमेश्वरेइ आदम औज़ि ह०वा अदन रै  
बौगिच्चे कौइ बारै गाड़े । ताकि सै बारै डेइयौ  
डोखरे दि काम कौरै लै । औज़ि तेस बौगिच्चे रि  
चोकिदारि कौरने खि स्वर्गदूत औज़ि  
ज़ौकियौन्दि आगी रि तौलवारियै थौइ ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.